

## DELED Assignment Answer – HindiHelpGuru

### 504 Assignment 3 – Question 1

**प्रश्न :** गणित सीखने - सीखने में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की क्या आवश्यकता है ? गणित शिक्षक होने के नाते सीखने - सीखने में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन आपकी किस प्रकार सहायता करता है ?

**उत्तर :** सतत एवं व्यापक मूल्यांकन स्कूलों में मूल्यांकन के लिये लागू की गयी एक नीति है जिसे २००९ में आरम्भ किया गया था। इसकी आवश्यकता शिक्षा के अधिकार के परिप्रेक्ष्य में भी आवश्यक है. सतत तथा व्यापक मूल्यांकन का अर्थ है छात्रों के विद्यालय आधारित मूल्यांकन की प्रणाली जिसमें छात्र के विकास के सभी पक्ष शामिल हैं।

यह निर्धारण के विकास की प्रक्रिया है जिसमें दोहरे उद्देश्यों पर बल दिया जाता है। ये उद्देश्य व्यापक आधारित अधिगम और दूसरी ओर व्यवहारगत परिणामों के मूल्यांकन तथा निर्धारण की सततता में हैं। मूल्यांकन से न केवल छात्रों की प्रगति और उपलब्धि का मापन किया जाता है बल्कि अध्यापन सामग्री और लेन-देन में प्रयुक्त विधियों की प्रभावशीलता को भी परखा जा सकता है। नियमित निदान और उसके बाद सुधारात्मक अनुदेश के आधार पर छात्रों की उपलब्धि और अध्यापन-अधिगम कार्यनीतियों के सुधार हेतु मूल्यांकन का उपयोग करना इसका मकसद है.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2005 कहती है, “एक अच्छी मूल्यांकन और परीक्षा पद्धति सीखने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग बन सकती है जिसमें शिक्षार्थी और शिक्षा तंत्रा दोनों को ही विवेचनात्मक और आलोचनात्मक फीडबैक का फायदा हो सकता है।”

**गणित में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता**

- गणित अभिगम के विशिष्ट उद्देश्य होते हैं , बच्चों में इन उद्देश्यों की पूर्ति की पहचान करना.
- बच्चे गणित को किस गतिविधियों से जल्दी सिख पाते हैं इसका आकलन करना।
- आरंभिक वर्षों में गणित का मूल्यांकन का उद्देश्य क्षमताओं तथा गणित सोच व तर्कशक्ति की पहचान करना।
- बच्चों की गणित सम्बन्धी समस्याओं का समाधान करने हेतु विशिष्ट गतिविधियों का निर्माण करना.
- बच्चों के मूल्यांकन से अवधारणाएं एवं प्रक्रियाओं में बदलाव लाना.
- गणित आकलन से नियमितता - इकाई परीक्षण - विद्यार्थी की अधिगम कठिनाई की पहचान करना।
- कक्षा - कक्ष में जरूरियात के अनुसार सु धारात्मक कार्यवाही करना.
- बच्चों की गणित अवधारणा से प्रगति रिपोर्ट तैयार करना.
- अध्यापक को सिखाने का मौका मिलता है.

## गणित सीखने - सिखाने में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की सहायता

अधिगम के लिए विशिष्ट गतिविधियां निर्माण करना :

एक गणित शिक्षक होने के नाते अनुभव है की सभी बच्चों में किसी भी अवधारणा को सीखने की क्षमता अलग अलग होती है. सभी बच्चों की अवधारणा विभिन्न होती है. जब हम किसी भी इकाई को कक्षा में प्रस्तुत करते हैं तब कुछ बच्चे ऐसे होते हैं जो इकाई की अवधारणा को प्रथम प्रयास में ही सिख लते हैं. कुछ बच्चे ऐसे होते हैं जिसे कोई एक ही गतिविधि को बार बार दोहराने पर भी कुछ हासिल नहीं होता है. ये हमें तब मालूम होता है जब हम सतत एवं व्यापक मूल्यांकन करते हैं.

ऐसा मूल्यांकन हमें सोचने के लिए मजबूर कर देता है की हम जिस गतिविधिओ का प्रयोग करके अवधारणा को सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं इससे सभी बच्चे सीख नहीं रहे हैं. आकलन ही हमें मार्गदर्शन करता है की अब गतिविधिओ और प्रक्रिया में सुधारात्मकता को अपना पड़ेगा.

**बच्चों की प्रकृति को खोजने में मदद :** गणितीय अवधारणा और विधिओं की प्रकृति और विकासात्मक चलन के बारे में खोज को एक महान समझौता माना जाता है. यह अपेक्षित है की अध्यापक होने के नाते जब अपनी कक्षा में गणित शिक्षण करते हैं तब अवधारणाओं को और पद्धतियों को विकसित करने के लिए बच्चों की प्रकृति को खोजना चाहिए. क्यूकी प्रत्येक बच्चा स्वयं में अनूठापन लिए हुए होता है. वो उन बच्चों से अलग है जो अन्य विद्यालयों में पढ़ते हैं.

अगर आप कक्षा में गणित शिक्षण के दौरान सतत एवं व्यापक मूल्यांकन विधि को अपनाते हैं तो आपको सभी बच्चों की अलग अलग प्रकृति का साक्षात्कार हो जाता है. हम बच्चों की इस विशेषताओं के आधार से अधिगम की नयी योजनाएँ बना सकते हैं. नयी पद्धतियों का निर्माण कर सकते हैं.

**गणितीय तर्क क्षमता एवं सर्जनात्मता का आकलन :** विषय या इकाई कोई भी हो, इसके शिखाने के पीछे कोई ना कोई उद्देश्य जरूर होता है. हमारा मकसद भी वही होता है जो इकाई के साथ होने वाली गतिविधियाँ भी ऐसी हो जिससे इकाई के उद्देश्य की पूर्तता हो जाये. गणित में मजबूत तार्किकता के नियम का एक विशिष्ट स्थान है. आगमन और निगमन तार्किकता प्रारम्भिक स्तर पर गणित अधिगम में प्रमुखता से प्रयुक्त हुयी है. तार्किकता बच्चों की भाषा, तर्कपूर्ण सम्प्रेषण, तरीके और क्रियाकलापों को भी प्रभावित करती है.

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की कई विधियों से हमें बच्चों की इस तार्किकता का पता चलता है. इसके आलावा बच्चों की सर्जनात्मकता का आकलन हो पता है. अगर किसी बच्चे में इसके लिए कोई अपूर्तता दिखाई देती है तो हम इस आकलन के आधार से नयी योजना का प्रारंभ करके अधिगम कर सकते हैं.

### **समस्याओं का समाधान :**

जब हम कोई इकाई के अंत में या फिर इकाई अधिगम के दौरान आकलन करते हैं तब हमें पता चलता है की अवधारणा को समझने में बच्चे अभी कितने अपरिपक्व हैं. हालांकि बच्चे अवधारणा को समझने में कोई गलती करते हैं इसका मुख्य कारण किसी समस्याग्रस्त होना है. आकलन के बाद ही हमें पता चलता है की बच्चे किसी किस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं. बाद में हम इस समस्या के समाधान हेतु कोई नवाचार - आयाम की योजना बनाते हैं. और ऐसी शिक्षण विधि का निर्माण कर पाते हैं जिससे बच्चों की समस्या का समाधान हो

जाये.

**बच्चो की प्रगति रिकॉर्ड तैयार करना :**

जब सतत एवं व्यापक मूल्यांकन पद्धति का आगाज नहीं हुआ था तब से आज तक आकलन का ये उद्देश्य जरूर रहा है की बच्चे की प्रगति को नापा जाये. इसकी रिकॉर्ड रखी जाये. अभिभावक तक पहुंचाई जाये. इससे न केवल अभिभावक को अध्यापक , विद्यालय, विद्यार्थी के लिए भी मार्गदर्शक भूमिका अदा करता है.

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन से तैयार किया गया बच्चो का प्रगति रिकॉर्ड बच्चे की आनेवाली कक्षा में अन्य अध्यापक की लिए भी जरूरी बन जाता है. गणित अधिगम में बच्चे ने क्या क्या हासिल किया, किस विधि में बच्चा सिखने का मजा ले रहा है. इसके लिए कौन कौन सी विधिया अपनाइ गयी है. ये सब रिकॉर्ड के आधार से नयी कक्षा में बच्चे के गणित शिक्षक नयी योजना का आविष्यकार कर सकते है.

इस प्रकार सतत एवं व्यापक मूल्यांकन प्रणाली बच्चो को गणित अधिगम के लिए तैयार करना, बच्चो की गणित की अवधारणाओं के लिए नए आयाम - पद्धति और गतिविधियों का निर्माण करने में सहायकारी है. बच्चों की अंतर्निहित क्षमताओं को उभारने और उनमें अपना ज्ञान निर्माण स्वयं करने की क्षमता विकसित करने के लिए आवश्यक घटक है.

इस प्रकार सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया वास्तव में गणित अधिगम के लिए व्यापक गुणवत्तासुधार प्रक्रिया ही है। इसे सीखने-सिखाने की विधा एवं विद्यार्थी के स्कूल-आधारित मूल्यांकन व्यवस्था के रूप में ही समझा जाये जिसमें विद्यार्थी के सीखने के सभी पक्षों पर ध्यान दिया जाता है।

**अन्य Solved Assignment Answer पाने के लिए यहाँ क्लिक करे**

# **HindiHelpGuru.com**

**[Download](#)**